राज
कॉमिक्स
मूल्य 15.00 संख्या 250
नागराज और
लाल मौत
मुफ्त

नागराज और लाल मौत

लेखक : तरुणकुमार वाही
सम्पादक : मनीष चन्द्र गुप्त
कलानिर्देशक : प्रताप मुल्लीक
चित्र : चंदू
सुलेख : पुष्पा पालवणकर

नागराज! बच्चों का दोस्त! अपराधियों का दुश्मन! विश्व से खतरनाक आतंकवादी गिरोहों और अपराधियों को समाप्त करने का प्रण लिए...

और दुबई आ पहुंचा —

यूसुफ शेख अली खान! दुबई का अमीर बन बैठा है।

नागराज को इतना सब बताकर [illegible] खामोश हो गया—

धन्यवाद दोस्त! तुमने मुझे यूसुफ के बारे में बहुत जानकारी दी।

धन्यवाद कैसा नागराज, तुम भी तो हमें यूसुफ बिन से निजात दिलाने दुबई आये हो।

दुबई शहर की एक सड़क पर—

नागराज! मैं मुसीबत में हूं! मुझे तुम्हारी मदद चाहिए—अपनी मौत से पहले! तुम्हारे इंतजार में— —रुखसाना खातून

रुखसाना खातून? ओह तो इसे भी पता चल गया कि मैं दुबई आ चुका हूं।

जगह-जगह मेरे नाम के पोस्टर लगे हैं! मुझे रुखसाना को ढूंढकर उसकी मदद करनी होगी।

अचानक एक तेज सायरन के साथ भगदड़ मच गई —
साय रन
आज फिर किसी की मौत आ गई है।
??

दुकानों के शटर गिर गए —
मौत का फरिश्ता गुजरने वाला है भागो!

ठहरो! यह सब क्या हो रहा है? यह एकाएक भगदड़ क्यों मच गई है?
शहर में जगह-जगह लगे पोस्टर नहीं देख रहे हो क्या?

वूऊँ ऽऽ ऽऽ ऽ
यूसुफ बिन अली खान ने सत्ता सम्भालते ही अपने विरोधियों का सिर कुचलना आरम्भ कर दिया है।
ओह, तो यही है मौत का सायरन।

आज शायद राशिद का नम्बर है। नौजवान, अगर तुम्हें अपनी जान प्यारी है तो भाग लो यहां से।

देखते ही देखते सारे बाजार में सन्नाटा छा गया—
इसका मतलब यूसुफ बिन अली खान को रूपवा स्थल का पता मिल गया है।

नागराज चौंक पड़ा—
ख़ून का ख़ुमार! मौत का काफिला निकल आ रहा है। मुझे किसी तरह इस दस्ते में शामिल होना होगा।

तीन टैंक धड़धड़ाते हुए उसके सामने से गुज़रे—
नागराज तुम्हारी रक्षा अवश्य करेगा रूपवा

टैंकों के पक्की सड़क से रेत के मैदान में आते ही धूल ही धूल छा गई—

और इस धूल का लाभ उठाती नागरस्सी—

* बंकर: जमीन में कई मीटर नीचे कंक्रीट से बना बेहद सुरक्षित व मजबूत निवास।

Y BAK कमांडर का वायरलैस संदेश—
सावधान! आगे बारूदी सुरंगें हैं। पोजीशन लो!
Y BAK FORCE

उसी समय बंकर में बीस मीटर नीचे—
मैडम! बारूदी सुरंग ने Y BAK फोर्स के एक टैंक को उड़ा दिया है!
!!

उनके दोनों टैंक तथा फौजी पोजीशन ले रहे हैं!
यह हमारे लिए खतरनाक है। अगर उन्होंने गोलाबारी की तो ये बंकर बचेगा नहीं।

तभी एक चेतावनी प्रसारित होने लगी—
रूपसा! हम जानते हैं कि तुम इस बंकर में छिपी हो। मेरे तीन गिनने तक अपने आपको हमारे हवाले कर दो...!

...अन्यथा अपनी मौत की जिम्मेदार तुम खुद होगी!
इन्हें मेरे यहां होने की जानकारी कैसे हुई?

एक
मिस्टर मनसुख! तीन की गिनती से पूर्व ही इन्हें जवाब देना होगा।

दुश्मन के आगे झुकने से रूपसा मर जाना पसन्द करेगी।

मेजर! यह क्या किया आपने?
इमरजेंसी ब्लास्ट लीवर ऑन कर दिया? बीस मिनट बाद यह बंकर धमाके के साथ उड़ जाएगा।

उधर देखो! टैंकों की नालियों का रुख बंकर की तरफ मुड़ गया है! हम चारों तरफ से घिर चुके हैं!

आह! नागराज! तुमने आने में देर कर दी! अब शायद रुपया खातून तुमसे कभी न मिल पायेगी!

सबकी आतंकित निगाहें टी.वी. स्क्रीन पर चिपकी थीं--

और उस समय सबकी आंखें आश्चर्य से फट पड़ीं—

रुपया के कंठ से विस्मयकारी चीख उबल पड़ी—
ना••• नागरस्सी ना••• यह तो नागरस्सी है! नागराज आ गया!

एकाएक नली के मुड़ने से गोला एक भीषण धमाके के साथ नली में ही फट गया—
धड़ाम

रात का फायदा उठा कर हम आसानी से शहर में प्रवेश कर सकते हैं रूख्सा।
शहर सामने है नागराज!

आज की रात तो हम किसी होटल में बितायेंगे। क्यों कि यूसुफ बिन अली खान को समाप्त करने के बाद दुबई की बागडोर मैं तुम्हें सौंपना चाहता हूं।

अचानक ही तीव्र शोर सुनकर दोनों की आंखें खुलीं—
यूसुफ बिन अली खान
मुर्दाबाद
रूख्सा के हत्यारे
गद्दी छोड़ो

लगता है बंकर ध्वस्त करने के बाद यह खबर फैला दी गई है कि मैं मारी गई हूं।
ओह!

इस जन आक्रोश को देखते हुए तुम्हें दुबई की गद्दी सौंपने का मेरा निर्णय कुछ गलत नहीं था।

तभी मौत का सायरन फिजां में गूंज उठा—
नागराज! इस विरोध को कुचलने के लिए YBAK फोर्स आ रही है।

फौज ने भीड़ को चारों तरफ से घेर लिया—
नागराज! इनमें से एक विरोधी की भी जान नहीं जानी चाहिए।
यूसुफ बिन अली खान मुर्दाबाद

यूसुफ बिन उमर्दी खान के बदले में बगदादी रूखा खातून को सौंपना चाहता हूं! क्या ये आपको मंजूर है?
रूखा! लेकिन उसे तो उस हत्यारे ने...
रूखा जीवित है! वह देखो!
शोर मच गया —
रूखा!
रूखा!
रूखा!
नागराज! तुम बच नहीं सकते! Y.B.A. तुम्हें कुत्ते की मौत...
इसे हमारे हवाले कर दो नागराज! पहले हम इसे कुत्ते की मौत मारेंगे!
हां, हां इसे हमारे हवाले कर दो!
मुंह से नीला झाग! ओह, इसने खोखले दांत में छिपा सायनाइड कैप्सूल चबा लिया है!

यह तो मर गया।
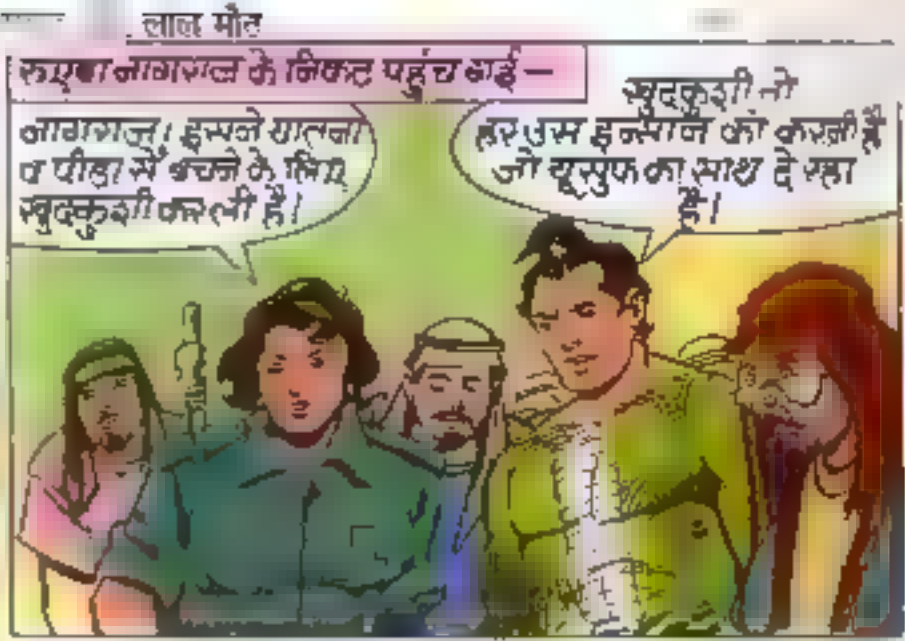
रुएबा नागराज के निकट पहुंच गई—
नागराज! इसने यातना व पीड़ा से बचने के लिए खुदकुशी कर ली है।
खुदकुशी तो हर उस इन्सान को करनी है जो यूसुफ का साथ दे रहा है।

फिर—
दोस्तो! मैं उस शैतान यूसुफ बिन अली खान को समाप्त करने जा रहा हूं...
...और आपको यकीन दिलाता हूं कि अमन का यह दुश्मन कल का सूर्योदय नहीं देख सकेगा।
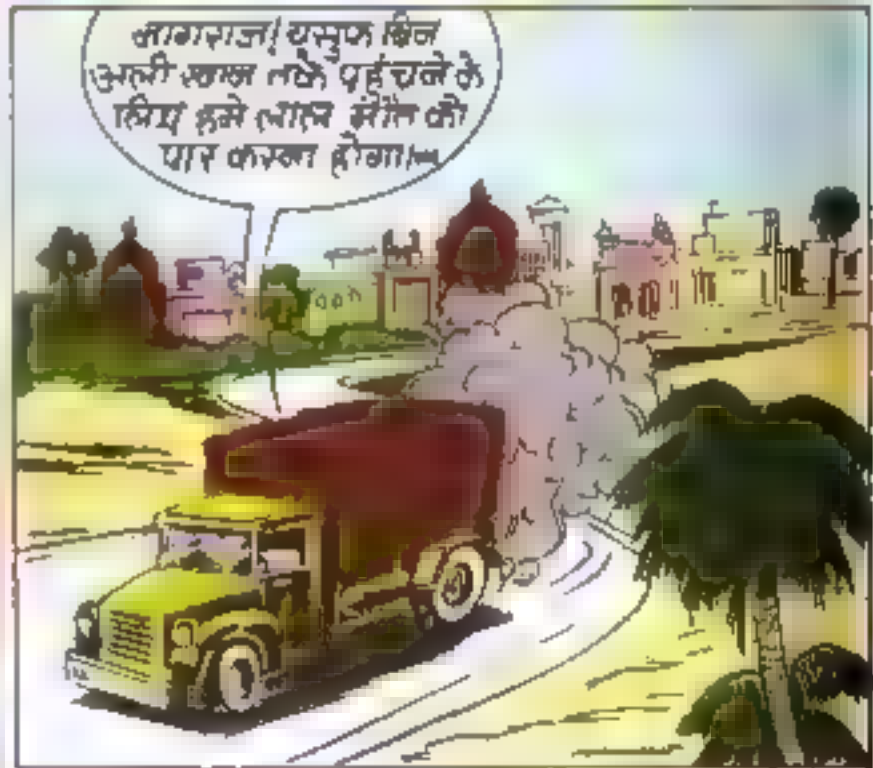
नागराज! यूसुफ बिन अली खान तक पहुंचने के लिए हमें लोमा झील को पार करना होगा...

...उसके किले के बाहर कदम-कदम पर वह मौत फैली हुई है।...
...मैं तुम्हें वहां तक पहुंचा सकती हूं। बाकी का काम तुम्हारा होगा।

आधे घण्टे बाद रुएबा ने ट्रक रुकवाया—
नागराज! तेल की ये सारी रिफाइनरियां मुल्क की अमानत हैं जिन्हें अब यूसुफ बिन अली खान ने अपनी निजी सम्पत्ति घोषित कर दिया है।

और यहां से आरम्भ होती है लाल मौत।
और उस किले में है फोर्स का नेता यूसुफ बिन अली खान।

नागराज ने अपने रक्षक रेगिस्तान में छोड़ दिये —
यहां हमें कदम फूंक-फूंककर आगे बढ़ना होगा नागराज।
मेरे अंगरक्षक बारूदी सुरंगों का पता लगा लेंगे।

हमें इनके पीछे रहना होगा।

सांपों का पीछा करते दोनों आगे बढ़ते गए —
बारूदी सुरंगों जैसी तो यहां कोई चीज नहीं दिखती।

अचानक —
हुर्र्रऽऽऽऽ
छिस्स

पलक झपकने के साथ ही नागराज ने अपने तीनों अंगरक्षकों को गायब पाया –
उफ! यह क्या बला थी!
नागराज! यही थी लाल मौत!

गड़ गड़ गड़
हेलीकॉप्टर

हा हा हा! नागराज! रूपेश! मेरे तीनों शिकार आज मेरी मुट्ठी में हैं। हा हा हा!
यूसुफ बिन अली साब!

नागराज! तुम लोग मौत के घेरे में आ तो पहुंचे हो। लेकिन यहां से जिन्दा बच कर नहीं जाओगे।

लाल मौत कदमों की आहट पर झपटती है और अपने शिकार को तड़पने का भी मौका नहीं देती।

तुम चूहे की तरह फंस गये हो। हा हा हा! अगर अपने स्थान से हिलोगे तो लाल मौत का शिकार हो जाओगे...

...नहीं हिलोगे तो मेरे गन बनोगे क्या! हा हा हा
नागराज! बम ऽऽ

हेलीकॉप्टर से सीढ़ी गिरा दी गई—
हा हा हा! नागराज खत्म हो गया। विश्व से आतंकवाद के सफाये की इच्छा मन में लिए ही मर गया नागराज!

पर नागराज तो हज़ार साल मौत से जकड़ा था—
ओह! ये मुझे रेत के नीचे इस सुरंग में खींच लायी है।
और अब मेरा खून पीने की चेष्टा कर रही है।

उफ़! अगर मैं कुछ देर और इस मौत के पंजे में रहा तो मेरा दम घुट जायेगा।
अचानक, चौंक पड़ा नागराज—

नागराज के शरीर के ज़हर से जल उठी हज़ार साल मौत। नागराज के देखते ही देखते हज़ार साल मौत ने दम तोड़ दिया—
नागराज का खून पीने चली थी रेगिस्तान की ये मौत। अब पता चली नागराज की ताकत।

ठीक इसी समय बाहर—
हा हा हा! नागराज को मैंने खत्म कर दिया। रूपाली! तुम भी मेरे साथ चलोगी हा हा हा!

ठीक इसी पल –
उफ! यह क्या?
लड़की मारे हैरत के चीख पड़ी –
नागराज,
नागराज!
नागराज लाल मौत के पंजों से बच निकला नहीं! ये नहीं हो सकता। कभी नहीं!
जालरस्सी पर चढ़ता हुआ नागराज यूसुफ तक जा पहुँचा –
यूसुफ बिन अली खान! तेरी लाल मौत नागराज का विष पचा नहीं पाई!
नहीं!

इस समय हेलीकॉप्टर उन्हें लेकर अथाह समुद्र पर मंडराने लगा था·
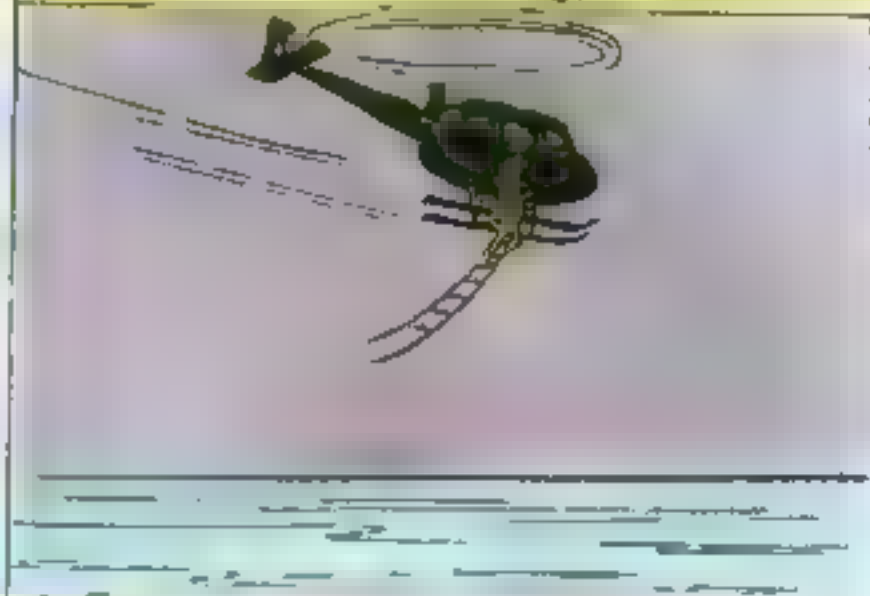
और अब यहां भारत सेना का भी कोई खतरा नहीं है। तुम्हें मारने में मुझे आसानी होगी।

नागराज के एक ही शक्तिशाली झटके के फलस्वरूप—
नागराज भी समुद्र में कूद गया—
विश्व शांति के लिए तेरा अंत आवश्यक है शैतान!

ओह, यह क्या? तेल की बौछार!

हा हा हा! नागराज! अब तुम तेल से सराबोर हो! सिर्फ एक गोली तुम्हें राख का ढेर बना देगी!

??
यूसुफ के रिवॉल्वर ने शोला उगला —
धांय
हा हा हा! कल के समाचार-पत्रों में छपेगी नागराज की मौत की खबर!

लेकिन नागराज वहां कहां था। वह तो यहां था, चलती लिफ्ट के नीचे लटका हुआ—
अरे! कहां गया!

नागराज!

यूसुफ ने रिवॉल्वर सीधा किया। लेकिन ठीक उसी पल—
धड़ाक

आह

यूसुफ अपने रिवॉल्वर पर झपटा। किन्तु—
धड़
नहीं
नागराज की शक्तिशाली ठोकर—
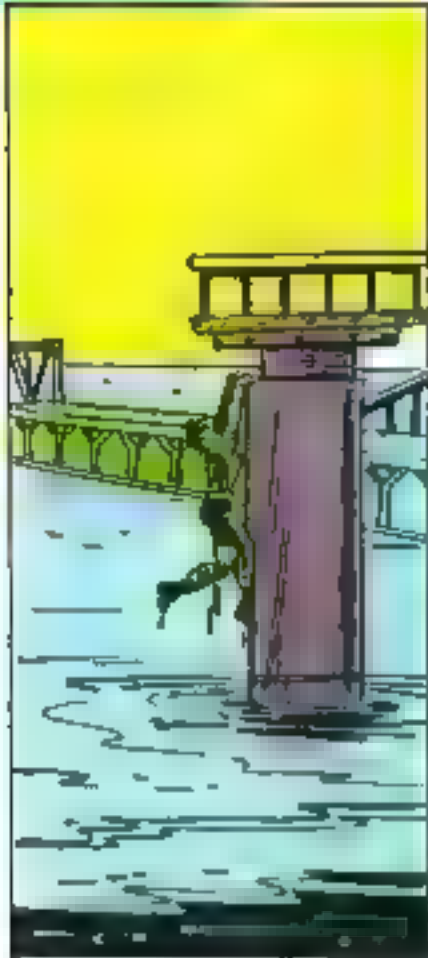
गिरते ही यूसुफ ने अपना अंतिम हथियार बाहर निकाल लिया और गरज पड़ा—

खबरदार! खबरदार! नागराज! मेरे हाथ में बम है!

हा हा हा हा! मैं जानता हूँ नागराज कि अब तुम मुझे जीवित नहीं छोड़ोगे! लेकिन मेरे साथ-साथ इस तेल कुएं सहित तुम भी नहीं बचोगे! हा हा हा!

समुद्र में चारों तरफ आग फैल गई –

उधर यह सारा खूनी तमाशा देखा रूएबा ने जिसने यूसुफ के समुद्र में गिरने के बाद हेलीकॉप्टर चालक को समुद्र किनारे हेलीकॉप्टर उतारने के लिए मजबूर कर दिया था –
उफ! नागराज! यह क्या हो गया!

शीघ्र ही रूएबा प्रसन्नता से भरी चीख पड़ी –
नागराज! नागराज एक बार फिर मौत को धोखा देने में कामयाब हो गया!

ओह! नागराज! तुम अद्भुत मानव हो!

रूएबा! जालिम यूसुफखान अली खान अपनी ही लगाई आग में जल मरा!
ओह नागराज! आज मैं बेहद खुश हूं! बेहद खुश!

मुद्रक: जायन आर्ट प्रैस